वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 238 शुक्रवार 23 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में फिर गहराया बिजली संकट

रबी की फसल के लिए गांव से लेकर शहरों तक 1 से 3 घंटे होगी बिजली कटौती

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान में एक बार फिर बिजली संकट गहरा गया है। प्रदेशभर में रबी की पैदावार की वजह से बिजली की डिमांड बढ़ गई है। ऐसे में सरकार ने प्रदेश में एक से तीन घंटे तक बिजली कटौती करने का फैसला किया है। जिसके तहत ग्रामीण इलाकों में सुबह 6:30 से 7:30 संभाग मुख्यालय पर सुबह 7:30 से 8:30 और इंडस्ट्रियल एरिया में शाम 5:00 से 8:00 तक बिजली कटौती की जाएगी। हालांकि यह फैसला जलापूर्ति, अस्पताल ऑक्सीजन सेंटर और आपातकालीन सेवा क्षेत्र में लागू नहीं होगा। दरअसल, राजस्थान में पिछले कुछ वक्त से बिजली की डिमांड बढ़ गई है। इस वजह से राज्य में 2 करोड़ से ज्यादा यूनिट की कमी पड़ गई है। इस कमी को पूरा करने के लिए अब सरकार ने बिजली कटौती करने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि कोयले की किल्लत की वजह से पावर प्रोडक्शन पर असर पड़ रहा है। फिलहाल जब तक हालात सामान्य नहीं होते तब तक पावर कट किया जाएगा।

राजस्थान आवासन मण्डल को एक बार फिर स्कॉच गोल्ड अवॉर्ड

हाउसिंग कैटेगरी में नवाचारों, कायाकल्प एवं उपलब्धियों के लिये हुआ सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने बताया कि राजस्थान आवासन मण्डल को नवाचारों एवं कायाकल्प के लिये हाउसिंग श्रेणी में एक बार फिर स्कॉच गोल्ड अवॉर्ड-2022 के लिये सम्मानित किया गया है। मण्डल को लगातार दूसरे वर्ष यह सम्मान अर्जित करने का गौरव प्राप्त हुआ है। दिल्ली के इण्डिया हेबिटेट सेंटर में आयोजित समारोह में निदेशक (परियोजना) संदीप गर्ग तथा आवासीय अभियन्ता (प्रोजेक्ट) संजय शर्मा ने आवासन मण्डल की ओर से यह अवॉर्ड ग्रहण किया। इस उपलब्धि के लिये आवासन आयुक्त ने मण्डल परिवार को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि विगत वर्षों में बुधवार नीलामी उत्सव, ई-बिड सबमिशन एवं ई-ऑक्शन जैसे नवाचारों के जरिये 16 हजार से अधिक अधिशेष सम्पत्तियों के निस्तारण, कोचिंग हब, विधायक आवास, मुख्यमंत्री जन आवास योजना, एआईएस एवं एसएस रेजीडेंसी, जयपुर चौपाटी जैसी परियोजनाओं तथा प्रशासनिक सुधार के सफल प्रयासों के चलते राजस्थान आवासन मण्डल ने नई पहचान कायम की है। अधिकारियों-कार्मिकों की मेहनत एवं कार्यकुशलता से मण्डल को राष्ट्रीय स्तर पर एक के बाद एक अवॉर्ड एवं सम्मान प्राप्त हो रहे हैं। इससे आमजन में मण्डल की प्रतिष्ठा फिर से कायम हुई है। हाउसिंग कैटेगरी में वर्ष 2021 के स्कॉच गोल्ड अवॉर्ड के बाद स्कॉच गोल्ड अवॉर्ड- 2022 इसी दिशा में एक और कड़ी है।

राजस्थान की बेटी ने बढ़ाया भारत का मान

प्रदेश की पहली महिला बॉडी-बिल्डर प्रिया सिंह ने जीता अंतर्राष्ट्रीय बॉडी-बिल्डिंग चैंपियनशिप में गोल्ड

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान की पहली महिला बॉडी बिल्डर प्रिया सिंह ने एक बार फिर भारत का नाम रोशन किया है। प्रिया सिंह ने थाईलैंड के पटाया में आयोजित हुई 39वीं अंतर्राष्ट्रीय महिला बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। बता दें कि इससे पहले प्रिया सिंह ने तीन बार मिस राजस्थान 2018,19,20 का और एक बार इंटरनेशनल खिताब भी अपने नाम किया। प्रिया ने बताया कि एक महिला को बॉडी बनाने में एक पुरूष से ज्यादा डाइट और मेहनत लगती है। ऐसे में उनके परिवार ने उनका साथ दिया। जिसकी वजह से वो आज सफल जिम ट्रेनर हैं। दो बच्चों की मां प्रिया सिंह घर और जिम दोनों में बैलेंस बना कर चलती

हैं। जिसमें उनकी बेटी और पति हमेशा उनका सपोर्ट करते हैं। मूल रूप से राजस्थान के बीकानेर की रहने वाली प्रिया सिंह की शादी 8 साल में कर दी गयी थी। प्रिया सिंह ने घर की आर्थिक तंगी को देखते हुए काम करने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने जिम में नौकरी के लिए अप्लाई किया। जहां प्रिया सिंह की पर्सनैलिटी के चलते उनको नौकरी मिल गयी। इसके बाद दूसरो को देख प्रिया ने जिम में ट्रेनिंग ली और राजस्थान की पहली सफल महिला बॉडी बिल्डर बनी। उन्होंने बताया कि जिम की ट्रेनिंग के दौरान ही जाना की बॉडी-बिल्डिंग का कॉम्पिटिशन भी होता है। उस वक्त पता चला कि राजस्थान से कोई महिला बॉडीबिल्डर नहीं है। उस वक्त देखा कि स्पोर्ट्स में महिला प्रतिभागियों को इज्जत की नजर से देखा जा रहा था। बस उसकी वक्त से बॉडी बिल्डर बनने के सफर की शरुआत कर दी थी।

मणिपाल हॉस्पिटल जयपुर ने क्रोनिक किडनी रोग के इलाज के लिए अजमेर में सत्र का आयोजन किया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। क्रोनिक किडनी रोग की पहचान और इलाज के महत्व को संबोधित करते हुए आज मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर ने पारस यूरोलॉजी एंड मल्टीस्पेशियल्टी हॉस्पिटल, सी ब्लॉक, पुष्कर रोड, हरिभाउ उपाध्याय नगर, अजमेर में किडनी के इलाज के विकल्पों पर एक सत्र का आयोजन किया। इस सत्र को डॉ. जितेंद्र गोस्वामी, कंसल्टैंट - नेफ्रोलॉजी एंड ट्रांसप्लांट फिज़िशियन, मणिपाल हॉस्पिटल्स, जयपुर और डॉ. राजकुमार खासगीवाला, सीनियर यूरोलॉजिस्ट एवं सीएमडी, पारस यूरोलॉजी एंड मल्टीस्पेशियल्टी हॉस्पिटल ने संबोधित किया। उन्होंने क्रोनिक किडनी रोग के समय पर निदान के महत्व और इलाज के विकल्पों के बारे में बताया। मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर अजमेर में नियमित रूप से नेफ्रो ओपीडी लगाता है। डॉ. जितेंद्र गोस्वामी हर माह दूसरे और चौथे गुरुवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे अजमेर के निवासियों को पारस यूरोलॉजी एंड मल्टीस्पेशियल्टी हॉस्पिटल, हरिभाऊ उपाध्याय नगर, सी ब्लॉक, पुष्कर रोड अजमेर में अपनी सेवाएं देते है। जीवनशैली में बदलाव के कारण किडनी से संबंधित समस्याएं लोगों में बढ़ रही हैं। ज्यादातर मामलों में किडनी रोग के लक्षण शुरूआत में पहचानने में मुश्किल होते हैं, जिसके कारण किडनी को नुकसान पहुँच सकता है या किडनी रोग विकसित चरण में पहुँच सकता है, और किडनी खराब हो सकती है। क्रोनिक किडनी रोग के कारण होने वाली समस्याओं के बारे में डॉ. जितेंद्र गोस्वामी, कंसल्टैंट - नेफ्रोलॉजी एवं ट्रांसप्लांट फिज़िशियन, मणिपाल हॉस्पिटल्स, जयपुर ने कहा, ''क्रोनिक बीमारियों के पीड़ितों में क्रोनिक किडनी रोग के मामले बढ़ रहे हैं। इससे उन्हें अन्य समस्याएं, जैसे उच्च रक्तचाप, खून की कमी, कमजोर हड्डियां, दिल की बीमारियां, नसों को क्षति, गाउट, और मेटाबोलिक एसिडोसिस हो सकती है। किडनी रोग के लिए इलाज के दो प्रभावशाली विकल्प उपलब्ध हैं। पहला डायलिसिस है, जो किडनी खराब होने पर खून से अपशिष्ट और अतिरिक्त तरल को बाहर निकालने में मदद करता है, और दूसरा विकल्प किडनी का प्रत्यारोपण है, जिसमें मरीज के शरीर में एक स्वस्थ डोनर की किडनी लगा दी जाती है। क्रोनिक किडनी रोग - स्टेज 5 के लिए आज उपलब्ध इलाज का सबसे अच्छा और प्रभावशाली विकल्प किडनी का प्रत्यारोपण है।'' इसलिए लोगों को मालूम होना चाहिए कि उन्हें डॉक्टर के पास कब जाना है। इससे क्रोनिक किडनी रोग के लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सकती है। किडनी रोग के लक्षण हर व्यक्ति में अलग होते हैं, लेकिन कुछ आम लक्षणों में रात में माँसपेशियों में ऐंठन होना, भूख न लगना, टखनों में सूजन और रात में बार-बार पेशाब आना शामिल हैं ।

विमर्श गौरव अलंकरण के साथ पुरस्कार से अलंकृत हुए डॉ. श्रेयांस जी बड़ौत

भिण्ड. शाबाश इंडिया

जैन जगत के मूर्धन्य विद्वान, ओजस्वी वाणी के धनी, प्रखर वक्ता एवं अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि-परिषद के यशस्वी अध्यक्ष, व्याख्यान वाचस्पति डॉ श्रेयांस कुमार जी जैन बड़ौत को भिण्ड नगर में आचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज ससंघ सान्निध्य में विशाल जनमेदिनी के मध्य विमर्श गौरव अलंकरण के साथ पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ जैन जी ने अप्पोदया टीका का संपादन किया है। डॉ साहब शास्त्री परिषद के अध्यक्ष के पद पर रहकर धर्म और समाज निरन्तर सेवा कर रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर अनेक विद्वानों, शुभचिंतकों ने उन्हें बधाइयां, शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

श्री राजीव जी - संगीता जी जैन

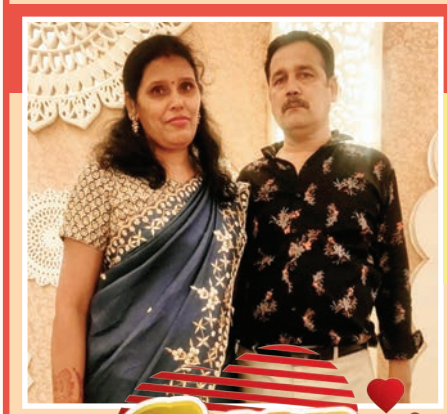

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ

(23 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - प्रेमा रांवका, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

भट्टारक जी की नसियां में महिला संगठनों की हुई सभा-नारी शक्ति हुई एकजुट

श्री सम्मेद शिखर बचाओ आंदोलन की तैयारियां जोरों पर, पूरे प्रदेश से मिल रहा जबर्दस्त समर्थन। 25 दिसंबर को सकल जैन समाज जयपुर सहित पूरे प्रदेश में करेगा आंदोलन-पूरे प्रदेश में निकालेंगे विशाल मौन जुलूस

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 20 तीर्थंकर सहित कोड़ा कोड़ी जैन संतों की निर्वाण स्थली झारखंड स्थित जैन धर्म के सर्वोच्च सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में पूरे देश में अहिंसात्मक आंदोलन चल रहा है। इसी कड़ी में भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी एवं जैन श्वेताम्बर सोसायटी सहित सकल जैन समाज (दिगंबर और श्वेतांबर) के निर्देशन में सम्मेद शिखर जैन तीर्थ जो समाज की आस्था का मुख्य केंद्र है को पर्यटक स्थल (पिकनिक स्पॉट) घोषित करने पर सकल जैन समाज का विरोध स्वरूप मौन जुलूस रविवार 25 दिसंबर को राजधानी जयपुर सहित प्रदेशभर में निकाला जाएगा और समाज के प्रतिनिधि अपने सभी तरह के प्रतिष्ठान बंद रखकर अपना विरोध जताएंगे। इसी कड़ी में गुरुवार,22 दिसम्बर को दोपहर में 1.30 बजे भट्टारक जी की नसियां में महिला मण्डलों, संगिनी फारम जेएसजी तथा अन्य महिला संगठनों के पदाधिकारियों की मीटिंग बुलाई गई। तीन बार णमोकार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से शुरू हुई इस बैठक में महिलाओं ने नारी शक्ति एक है,कोमल है कमजोर नहीं, विरोध प्रदर्शन का तरीका मौन सबसे उत्तम है, अहिंसा का प्रतीक है,प्राणो से भी प्यारा है -सम्मेद शिखर हमारा है, सहित बड़ी संख्या में उपस्थित

विभिन्न महिला मण्डलों, संगिनी फारम एवं अन्य महिला संगठनों के पदाधिकारियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए सम्मेद शिखर धर्म क्षेत्र को बचाने के लिए अपने प्राण तक न्यौछावर करने के विचार व्यक्त किए। वही श्री दिगम्बर जैन महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला जैन डोड्या, जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति की मंत्री पुष्पा सोगानी, समाजसेविका नीना पहाड़ियां,सरोज कोचर, संगिनी फोरम की ऋतु जैन, राजस्थान जैन सभा की मीना चौधरी, राजस्थान जैन युवा महासभा की रेखा पाटनी, जवाहर नगर तपागच्छ संघ की अन्नू दीपक जैन,रश्मी सांगानेरिया, मंजू छाबड़ा,रजनी पाटनी ने अपने उदबोधन में आक्रोश व्यक्त करते हुए आव्हान किया कि मौन जुलूस को सफल बनाने हेतु कई सुझाव दिये। सभा मे बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। उल्लेखनीय हैं कि जयपुर में रविवार को प्रातः 9 बजे सकल जैन समाज रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल पर एकत्रित होगा और यहां से मौन जुलूस प्रारंभ किया जायेगा, जो जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, किशनपोल बाजार, अजमेरी गेट, एमआई रोड़ से होते हुए महावीर स्कूल, सी-स्कीम में जाकर संपन्न होगा। दिगंबर और श्वेतांबर जैन संतो और साध्वियों के सानिध्य में विशाल धर्मसभा का आयोजन होगा। जुलूस में पुरुष वर्ग सफेद वस्त्र तथा महिला वर्ग-केसरिया साड़ी या केसरिया वस्त्र धारण कर , विरोध स्वरूप काली पट्टी बांध कर शामिल होंगे। सम्मेद शिखर बचाओ से सम्बंधित नारे लिखी तख्तियां व जैन ध्वज लेकर जैन बन्धु चलेंगे। जुलूस की व्यवस्था श्री वीर सेवक मण्डल के कार्यकर्ता देखेंगे।

सांसद डॉ. डी वीरेंद्र हेगड़े ने पर्यटन और संस्कृति मंत्री किशन रेड्डी से मुलाकात की

सम्मेद शिखर जी को झारखंड राज्य द्वारा पर्यटन स्थल घोषित करने के मुद्दे पर चर्चा कर निर्णय को वापस लेने की मांग की

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। आज शाम 5.15 बजे डॉ. डी वीरेंद्र हेगड़ेज, सांसद, राज्यसभा ने व्यक्तिगत रूप से नई दिल्ली में पर्यटन और संस्कृति मंत्री किशन रेड्डी से मुलाकात की और सम्मेद शिखर जी को झारखंड राज्य द्वारा पर्यटन स्थल घोषित करने के मुद्दे पर चर्चा की। हेगड़े ने मंत्री से आग्रह किया कि वे राज्य सरकार को इसे एक धार्मिक स्थान के रूप में रखने की सलाह दें क्योंकि यह जैनियों के लिए एक पवित्र स्थान है और उनकी इस स्थान से भावना जुड़ी हुई है। पर्यटन और संस्कृति मंत्री ने बताया कि लोकसभा में उन्होंने शिखरजी की धार्मिक स्थिति बहाल करने के लिए एक बयान दिया और डॉ हेगड़े को सूचित किया कि उन्होंने इस मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा है और जैन समुदाय का समर्थन करने का वादा किया है। हेगड़े ने उनसे यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया कि सभी केंद्रों पर धार्मिक स्थानों की पवित्रता बनाए रखी जाए, जिसके लिए मंत्री महोदय ने बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। बैठक बहुत सौहार्दपूर्ण थी।

वेद ज्ञान

अब समझें खुशी के महत्व को...

खुशी पाने के लिए मनुष्य यहां-वहां भटकता रहता है, जबकि खुशी उसके अंतर्मन में निहित है। दुर्भाग्यवश ज्यादातर लोग यह बात जानते हुए भी इससे अनजान बने रहते हैं। हमारी खुशी का सीधा संबंध संतोष-संतुष्टि से है और हमारा आंतरिक दृष्टिकोण ही हमारे अंदर सच्चे मायने में खुशी की भावना का अहसास कराता है। कुछ लोग यह सोचते रहते हैं कि अमुक वस्तु मिल जाए, तो उनका जीवन खुशियों से भर जाए, लेकिन जब उन्हें वह चीज मिल जाती है, तो भी वे खुश नहीं होते। असल में ऐसे व्यक्ति कभी खुश हो ही नहीं सकते, जो अपने वर्तमान से संतुष्ट न हों और हमेशा भविष्य में अपनी खुशियों की तलाश करते हैं। वर्तमान में वे एक की कामना करते हैं, तो भविष्य में दो-चार की। इसलिए वे कभी खुशी महसूस ही नहीं कर पाते हैं। कौन व्यक्ति तरक्की या कामयाबी नहीं चाहता, लेकिन अपने जीवन में खुश वही व्यक्ति रहता है, जो अपनी छोटी-छोटी सफलताओं पर गर्व करता है। जिस व्यक्ति को अपने वर्तमान में सफलता, पूर्व में अर्जित की गई सफलता से छोटी लगती है और वह भविष्य में और बड़ी सफलता की कामना करता है? वह कभी अपने कार्य से संतुष्ट नहीं हो पाता। इसलिए वह हमेशा खुशी से भी वंचित रहता है। जीवन में खुश रहने के लिए जरूरी है कि हम अपने जीवन से नीरस रंगों को दूर करके उसमें उजले रंग भरें। सफलता और असफलता हमारे जीवन का हिस्सा हैं। इसलिए सफलता मिलने पर व्यक्ति को न तो ज्यादा अभिमान करना चाहिए और न ही असफलता मिलने पर व्यक्ति को निराश होना चाहिए। दोनों ही स्थिति में मनुष्य को सामान्य बने रहना चाहिए। खुश रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि हमें नकारात्मक सोच को दूर करके सकारात्मक विचारों को अपने पास रखना चाहिए। सकारात्मक विचारों से हमें ऊर्जा मिलती है और इससे हम अपनी समस्याओं से निपट सकते हैं। जब हमें समस्याएं नहीं होंगी तो हम हमेशा खुश रहेंगे। यूं हमारी खुशी और हमारी उपलब्धियों के बीच सीधा कोई रिश्ता नहीं है। यानी इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या और कहां हैं। सिर्फ हमारी सोच से ही हम खुशी को महसूस कर सकते हैं।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन और बढ़ती पर्यावरणीय चिंताए

दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन और बढ़ती पर्यावरणीय चिंताओं के बीच धरती और खासकर मानव जीवन को बचाने के लिए लगातार विमर्श चल रहे हैं। इसमें सबसे जरूरी पहलू है कि अगर पर्याप्त भूमि और जल को संरक्षित कर लिया जाए तो बड़े संकटों का सामना करना आसान हो जाएगा। इस लिहाज से सोमवार को एक बेहद अहम पहलकदमी तब सामने आई, जब कनाडा के मांट्रियल में संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन (काप-15) में शामिल देशों के बीच एक ऐतिहासिक समझौता हुआ। इसके तहत बनी सहमति इस दशक के अंत तक विश्व भर में तीस फीसद भूमि, तटीय इलाकों और अंतर्देशीय जलक्षेत्र के संरक्षण का लक्ष्य पूरा कर लेगी। साथ ही खाद्यान्न की बबार्दी में भी पचास फीसद कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। जाहिर है, दुनिया की बढ़ती आबादी और जरूरतों के बीच विकास के विभिन्न प्रारूपों की वजह से धरती पर असंतुलन न हो, इसके लिए पहले से ही जरूरी संसाधनों

का संरक्षण अगर नहीं किया गया, तो इसका खमियाजा सबसे ज्यादा मनुष्य को ही उठाना पड़ेगा। कहा जा सकता है कि इस मसले पर बनी सहमति भविष्य के संकट से बचने की दिशा में एक जरूरी कवायद है। मगर यह देखने की बात होगी कि इस पर वास्तव में अमल किस स्तर तक हो पाता है। दरअसल, काप-15 की अध्यक्षता कर रहे चीन की ओर से एक मसविदा जारी किया गया, जिसमें 2030 तक जैव विविधता के लिए अहम माने जाने वाली कम से कम तीस फीसद भूमि और इसके साथ-साथ जल के संरक्षण का भी आह्वान किया गया था। फिलहाल सत्रह फीसद भूमि और दस फीसद समुद्री क्षेत्र संरक्षित दायरे में माने जाते हैं। मसविदे में पृथ्वी पर विभिन्न लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के गंभीर और घातक असर के साथ प्रदूषण को कम करने के लिए की जाने वाली कोशिशों में और तेजी लाने की बात भी कही गई है। स्वाभाविक ही विकासशील देशों के सामने इस दिशा में ठोस पहल करने के लिए सबसे बड़ी चुनौती धन की होगी। मगर इस सम्मेलन में सहमति बनी है कि दुनिया में भूमि और जल संरक्षण सहित जैव विविधता को बचाने के लिए विकासशील देशों को धन मुहैया कराने के जरूरी उपाय किए जाएंगे। निश्चित रूप से इसमें जैव विविधता को बचाने के लिए एक तरह से समावेशी दृष्टिकोण की जगह बनाई गई है। धरती पर सभ्यता के बदलते दौर और उसमें तमामों जीवों और प्रकृति के उपादानों का सह-अस्तित्व खुद मनुष्य के जीवन के लिए कितना अनिवार्य रहा है, यह एक जगजाहिर तथ्य है। लेकिन मनुष्य जीवन के बदलते स्वरूप, प्राकृतिक उतार-चढ़ाव और इसके समांतर विकास के नाम पर चलने वाली गतिविधियों की वजह से बहुत सारे जीव-जंतु या तो विलुप्त हो गए या फिर अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं। सभी जीव एक-दूसरे पर निर्भर और पारिस्थितिकी चक्र में परस्पर गुंथे हुए हैं। ऐसे में अगर भविष्य में धरती पर जैव विविधता को बचाने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो एक के अभाव में दूसरे का बचना मुमकिन नहीं होगा। इसमें स्वाभाविक ही भूमि और जल का संरक्षण प्राथमिक होगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सेना का मनोबल

तवांग में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सैनिकों की घुसपैठ और भारतीय सैनिकों से उनके संघर्ष को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष जैसे एक-दूसरे को छकाने में लगे हैं। इसे लेकर संसद में गतिरोध बना हुआ है। विपक्ष इस पर चर्चा कराने की मांग कर रहा है, तो सत्तापक्ष इससे किनारा करता दिख रहा है। हालांकि घटना के प्रकाश में आने पर रक्षामंत्री ने संसद में सरकार का पक्ष रखा था, मगर विपक्षी दल उससे संतुष्ट नहीं हैं। वे सरकार से जानना चाहते हैं कि आखिर चीन की घुसपैठ की सूचना को छिपाए क्यों रखा गया और यह भी कि सरकार ने चीन को लेकर क्या रणनीति बनाई है। उधर अपनी पदयात्रा के बीच राहुल गांधी ने एक प्रेसवार्ता में कह दिया कि सीमा पर चीनी सैनिक भारतीय सैनिकों की 'पिटाई' कर रहे हैं। इसे लेकर सत्तापक्ष हमलावर है कि इस तरह के बयानों से सेना का अपमान होता, उसका मनोबल गिरता है और उसका इस्तेमाल अपनी राजनीति चमकाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इस तरह संसद में अब हंगामे का केंद्र बिंदु चीन की घुसपैठ से खिसक कर सेना के अपमान और मनोबल पर पहुंच गया है। यानी प्रकारांतर से दोनों ने सेना को अपनी राजनीतिक रस्साकशी का जरिया बना लिया है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब सेना को राजनीति में घसीटने का प्रयास किया जा रहा है। मुद्दा सेना के साहस और मनोबल का नहीं है। असल विषय है चीन की घुसपैठ का। यह अच्छी बात है कि भारतीय सैनिकों ने चीन की रणनीति पर पानी फेर दिया और उसके सैनिकों को वापस लौटना पड़ा। मगर यह सवाल अभी तक अनुत्तरित है कि आखिर चीन ने यह हिमाकत की कैसे। अगर सरकार सचमुच कूटनीतिक रूप से उस पर दबाव बनाए रहती, तो शायद वह ऐसा करने की सोच भी नहीं सकता था। फिर इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि चीन की तरफ से बार-बार हो रही ऐसी हरकतों पर कैसे विराम लगाया जाए। कुछ समय पहले तक उसने लद्दाख क्षेत्र में भी लंबे समय तक तनाव की स्थिति पैदा किए रखी। ऐसे मामलों में परंपरा रही है कि सत्तापक्ष सभी दलों के साथ मिल-बैठ कर चर्चा करता और फिर देश को विश्वास में लेकर कोई व्यावहारिक कदम उठाता रहा है। मगर सरकार ने इस तकाजे को समझना तो दूर, एक तरह से इस पर परदा डालने का ही प्रयास किया है। इसलिए भी विपक्षी दलों को इसका राजनीतिक लाभ लेने का मौका मिला है। किसी देश के सुरक्षाबलों का सीमा के भीतर घुस आना और हमारे सुरक्षाबलों से गुत्थमगुत्था हो जाना निस्संदेह संवेदनशील मामला है, इसे ढंकना-छिपाना या इस पर चुप्पी साधे रखना किसी भी रूप में सवालों से परे नहीं माना जा सकता। मगर हैरानी की बात है कि सैन्य रणनीति से जुड़े इस संवेदनशील मामले को सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों राजनीतिक रंग देने पर तुले हुए हैं। प्रतिरक्षा से जुड़े फैसले गोपनीय रखे जाते हैं, उसकी रणनीतियां इस तरह राजनीति के केंद्र में नहीं लाई जातीं। इससे दुश्मन देश को अपनी रणनीति बनाने में मदद मिलती है। मगर पिछले कई सालों से देखा जा रहा है कि सेना की गतिविधियों को राजनीतिक मंचों से मुद्दा बना दिया जाता है। यहां तक कि चुनाव में भी उन्हें भुनाने की कोशिश की जाती है। इस तरह सेना के मनोबल पर तो प्रतिकूल असर पड़ेगा ही, चीन को भी इस राजनीतिक रस्साकशी का लाभ उठाने का मौका मिल सकता है।

जैन समाज के प्रतिष्ठान बंद रहे

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। सम्मेद शिखर के संरक्षण हेतु जारी विश्वव्यापी सम्मेद शिखर बचाओ आंदोलन के तहत व सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में बुधवार को नगर में जैन समाज के प्रतिष्ठान बंद रहे। दिगंबर जैन छोटा धड़ा पंचायत के अध्यक्ष ओम प्रकाश बड़जात्या व दिगम्बर जैन युवा परिषद के अध्यक्ष निहालचंद बड़जात्या व जैन युवा संगठन अध्यक्ष हर्षद बड़जात्या ने बताया कि बुधवार को जैन समाज के निजी कर्मचारी भी अवकाश पर रहे। बड़जात्या ने बताया कि जैन धर्म के 20 तीर्थंकरों व अनन्त मुनियों के मोक्ष स्थल सम्मेद शिखर को पर्यावरण पर्यटन से बाहर किये जाने और मधुबन को मांस मदिरा बिक्री मुक्त पवित्र जैन तीर्थस्थल घोषित किए जाने व पर्वतराज के वंदना मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की गई।

82 मरीजों के हुए लैंस प्रत्यारोपण

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

केकडी। लायंस क्लब केकडी एवं डी डी नेत्र फाउंडेशन कोटा के संयुक्त तत्वावधान में सोनी परिवार द्वारा आयोजित शिविर के चयनित मरीजों में से बुधवार को डीडी नेत्र फाउंडेशन कोटा में 82 मरीजों के सफल लेंस प्रत्यारोपण किए गए । क्लब प्रशासक लायन दिनेश गर्ग ने बताया कि प्रोजेक्ट चेयरमैन लायन एस एन न्याति, अध्यक्ष लायन राजेंद्र कुमार सोनी, कोषाध्यक्ष लायन विनय पांड्या , सभी ने भरती मरीजो की कुशल क्षेम पूंछी व सभी भर्ती मरीजों को बिस्कुट व फल फ्रूट प्रदान कर आशीर्वाद प्राप्त किया । इस शिविर में हो चुके ऑपरेशन के मरीजों का फोलो अप कैंप 25 दिसंबर रविवार को प्रातः 11 बजे लायन्स भवन केकड़ी में आयोजित होगा जिसमें जांच कर दवा दी जाएगी। डीडी नेत्र फाउंडेशन कोटा के संचालक मैनेजर श्रीमती सी. सी. जोन, एडमिनिस्ट्रेटर विकास वर्मा ,कंपाउंडर अनिल सुमन, प्रवीण महावार, लोकेश शर्मा, गिरीराज मीणा,दुर्गेश नायक, सुखलाल बलाई, किसन लाल गुर्जर का सराहनीय सहयोग रहा।

कैलेंडर-2023 का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर हार्डवेयर मर्चेन्ट एसोसिएशन के कैलेंडर-2023 का विमोचन राजा पार्क स्थित होटल में संस्था के पूर्व अध्यक्ष विनोद गुप्ता,ओम प्रकाश खंडेलवाल, प्रकाश रावत व गिरीश अग्रवाल ने किया। संस्था अध्यक्ष विमल जैन ने बताया कि इस मौके पर समिति के सदस्यगण व कार्यकारिणी के साथी गण उपस्थित रहे। उन्होंने यह भी बताया कि संस्था सदैव व्यापारी हितों के लिए कार्य करती रही है ओर भविष्य में भी करती रहेगी तथा सभी को आगामी नव वर्ष के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

चतुर्दशी के पावन दिवस पर बड़े बाबा मूलनायक पद्मप्रभु भगवान पर महामस्तकाभिषेक किया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित पदमप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में चतुर्दशी के पावन दिवस पर बड़े बाबा मूलनायक पद्मप्रभु भगवान पर महामस्तकाभिषेक हुआ। प्रातः मंत्रोचार द्वारा सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक करने के उपरांत मंजूषा जैन ने शांतिपाठ उच्चारण कर बड़े बाबा पद्मप्रभु भगवान पर शांति धारा करने का सौभाग्य चांदमल जैन एवं लक्ष्मीकांत जैन ने, आदिनाथ भगवान पर लक्ष्मीकांत जैन परिवार एवं मुनीसुव्रतनाथ भगवान पर पूनम चंद सेठी ने शांति धारा की। अन्य प्रतिमाओं पर भी शांतिधारा श्रावकों द्वारा की गई। इस उपरांत भक्ति भाव से पूजा अर्चना कर अर्घ समर्पण किए। इस अवसर पर कई श्रावक-श्राविकाएं मौजूद थे।

देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान है अर्जुनलाल सेठी का: आचार्य सुनील सागर

अमन जैनकोटखावदा. शाबाश इंडिया

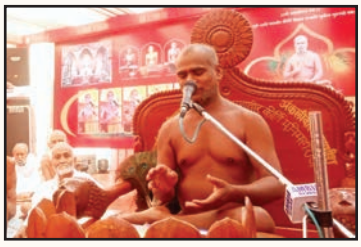

जयपुर। आचार्य श्री सुनील सागर महाराज ससंघ सहित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर वैशाली नगर में विराजमान हैं आचार्य श्री ने धर्म सभा में कहा कि पंडित अर्जुनलाल सेठी क्रांतिकारी महापुरुष का जयपुर में जन्म हुआ। जयपुर में इनके नाम की कॉलोनी भी है। लेकिन जितना कुछ उनके लिए होना चाहिए था,उतना नहीं हो पाया। धर्म के प्रती इतना समर्पित थे कि जब तक जिन प्रतिमाओं के दर्शन नहीं होते तब तक भोजन नहीं करते थे ।महाराज माधव सिंह उन्हें प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे। तब उन्होंने कहा था की अर्जुन सेठी प्रधानमंत्री बनेगा तो देश को स्वतंत्र कौन करेगा। देश की लड़ाई कौन लड़ेगा। जैन समाज में वे पहले ग्रेजवेट थे।पिता के पद पर कुछदिन काम करने पर एक अंग्रेज पदाधिकारी द्वारा गवार शब्द सुनने पर नोकरी छोड़ दी थी।और महाराजा द्वारा प्रधान मंत्री पद भी नही स्वीकारा था।उन्होंने ठान लिया था की चाहे सुखी रोटी खानी पड़े तो चलेगा पर में देश को स्वतंत्र करके रहूंगा। वे एक पंडित थे। बहुत बड़े विद्वान कहलाते थे ।20 साल की उम्र में वे ग्रेजुयेट हुए। 22 वे साल में उन्हें महाराजा की तरफ से प्रधानमंत्री पद ऑफर हुआ। 24 साल उम्र में स्कूल में पढ़ाना चालू किया । अनेकों स्कूल में उन्होंने बच्चो को पढ़ाया ।पर उनका मूल लक्ष्य था क्रांतिकारी बनना। देश को स्वतंत्र करना। पंडित भी ऐसे थे की,उस जमाने में जैनियों की जितनी भी बड़ी सभाएं होती थी बिना उनके वक्तव्य की शुरू नही होती थी। इनके विचार क्रांतिकारी थे इस कारण उन्होंने अपना जीवन देश के लिए समर्पित किया।9 सितंबर 1880 का जन्म दिवस था। वर्धमान विद्यालय की स्थापना की और हर समाज के बच्चों पढ़ना और उनका भविष्य बनाना उनका लक्ष्य होता था। चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारी भी इनसे सलाह लेते थे। गांधीजी, लोकमान्य तिलक जैसे महापुरुष भी उनसे सलाह लेते थे।

भागवत कथा समापन पर विधि विधान से हुई यज्ञ की पूर्णाहुति

आयोजन में शामिल 25 जजमानों द्वारा मूल भागवत पाठ की पूजा की

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। सनातन धर्म यात्रा के 26 वें पड़ाव के अंतर्गत सनातन धर्म भागवत कथा समिति भीलवाड़ा द्वारा 15 से 21 दिसम्बर तक आयोजित श्रीमद भागवत कथा गीता वितरण समारोह एवम यज्ञ की पूणार्हुति गुरूवार को शास्त्रीनगर माहेश्वरी भवन में हुई। इस अवसर पर कथावाचक एवं सनातन धर्म यात्रा निकाल रहे पूज्य श्री संतोष सागर जी महाराज के सानिध्य में 25 विद्वानो के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया गया। आयोजन समिति के 25 यजमानो ने विश्व कल्याणार्थ आहुतियां दी। इस अवसर पर महाराजश्री ने श्रीमद भागवत कथा आयोजन को अभूतपूर्व बताते हुए कहा परमात्मा की कृपा से ऐसे अवसर मिलते है। श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के तहत प्रतिदिन सुबह 7 से 9 बजे तक माहेश्वरी भवन में आयोजन समिति में शामिल 25 जजमानों द्वारा मूल भागवत पाठ की पूजा की गई थी। पंडितों ने इन जजमानों को मूल भागवत का पाठ विधि-विधान व अनुष्ठान के साथ कराया। पूणार्हुति के साथ महोत्सव का विधिवत समापन हुआ। आयोजन के 25 जजमानों में सनातन धर्म भागवत कथा समिति के अध्यक्ष श्याम चांडक, महासचिव शांतिप्रकाश मोहता, समिति के संरक्षक सत्यनारायण झंवर, मुरारीलाल बिहानी, हेमराज बजाज, तनसुखराय सोमानी, हनुमानप्रसाद दम्माणी, रतनलाल बाहेती, वरिष्ट उपाध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, उपाध्यक्ष राधाकिशन सोमानी, कैलाश तापड़िया, दामोदर सिंधी, सचिव राजेन्द्रप्रसाद दम्माणी, दिनेश राठी, कोषाध्यक्ष शांतिप्रकाश झंवर, कार्यकारिणी सदस्य मनोज सारड़ा, भैरूदान करवा, रामकुमार बाहेती, महेश हुरकुट, मेघराज बाहेती, महावीर झंवर, राजेश सोमानी, दिनेश पेड़िवाल, प्रकाश झंवर, सुरेश दम्माणी आदि शामिल थे। आयोजन में विशेष सहयोग मरूधरा माहेश्वरी संस्थान का मिला। सनातन धर्म भागवत कथा समिति के अध्यक्ष श्याम चांडक एवं महासचिव शांतिप्रकाश मोहता ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का आभार जताया है। कथा महोत्सव के समापन पर महाप्रसाद का आयोजन किया गया।

> सनातन धर्म भागवत कथा समिति के अध्यक्ष श्याम चांडक एवं महासचिव शांतिप्रकाश मोहता ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का आभार जताया है।

सूरज मैदान पर भव्य भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का तीसरा दिन

कलयुग में प्रभु नाम से बढ़कर और कुछ नहीं: जया किशोरी

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व विख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने अपनी मधुर वाणी से श्रीमन्न नारायण,भज श्रीमन्न नारायण...तेरी लीला सबसे प्यारी,तेरी महिमा सबसे न्यारी...अपना हरि है ठाठ-बाट वाला...जैसे भजनो की पंक्तियां गाना शुरू की,त्योहि भक्तों की समूह भक्ति और आस्था की मस्ती में झूमता नजर आया। कुछ ऐसी ही आंखों का सुकून पहुंचाने वाला मन भावन दृष्य गुरूवार को नागरमल पिस्तादेवी मणकसिया चैरिटेबल ट्रस्ट व सुरेश ग्रुप के बैनर तले आदर्श नगर के सूरज मैदान पर चल रही भव्य श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के दौरान देखने को मिला। इस मौके पर आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने अजामिल की कथा,विश्व रूप चरित्र,गयासुर की कथा व भक्त प्रहलाद की कथा सुनाकर खचाखच भरे पांडाल में बैठे श्रद्धालुओं के मन को आल्हादित कर दिया। शुक्रवार को कथा प्रसंग के तहत भगवान श्रीकृष्णका जन्मोत्सव नंदोत्सव के रूप मं मनाया जाएगा। इस मौके पर आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने कहा कि कलयुग में ईश्वर नाम से बढ़कर और कुछ नहीं है। ईश्वर का नाम लेने से सारे कष्टों का निवारण होता है ,साथ ही हृदयरूपी कमल खिल जाता है। भक्त के भाव को केवल ईश्वर ही समझ सकते है। इसीलिए जीव को अपना दुख संसार के सामन नहीं केवल प्रभु के सामने ही प्रकट करना चाहिए। प्रभु पालनहार है,वे शरण में आए भक्तों के दुख हर लेते है। भक्त प्रहलाद प्रसंग पर बोलते हुए आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने कहा कि भगवान का परम भक्त प्रहलाद जिसे उसके पिता हिरण्यकशिपु अति भयंकर कष्ट दिए,यहां तक कि प्रहलाद को हिरण्यकशिपु ने विष पिलाया,हाथी से कुचलवाया, अग्नि में जलाया,इस तरह की कई यातनाएं दी,परंतु श्री प्रहलाद जी को हर जगह अपने प्रभु के दर्शन करते और उन्हें कहीं भी पीड़ा का अहसास नहीं होता। उन्हे विश्वास था कि हमारे प्रभु सर्वत्र विराजमान रहते है,इसीलिए प्रभु भक्त के पूर्ण विश्वास को देखकर खंभ से प्रकट होकर यह दिखा दिया कि भक्त की इच्छा को पूर्ण करने के लिए वे कहीं भी और किसी भी रूप में प्रकट हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिसके उपर प्रभु का हाथ हो,उसका कोई भी बालबांका नहीं कर सकता। हम सभी को अपने जीवन में भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करनी चाहिए,जीवन में कितना भी संकट या विपत्ति ही क्यों ना आएं,कभी भी धर्म का मार्ग और भक्ति का मार्ग नहीं छोड़ा चाहिए। जीवन में सदैव निष्काम भाव से भक्ति करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में जब भी बोलो,सदैव सोच समझकर बोलो और प्रेम से बोलो, हित-मित और प्रिय वचन बोलो,ऐसे वचन नहीं बोलो,जिससे किसी का अहित हो। इस मौके पर पांडाल में बैठे श्रद्धालुओं ने झांकी के माध्यम से भक्त प्रहलाद के दर्शन किए। इस दौरान रीको के निदेशक सीताराम अग्रवाल व जीनस ओवरसीज के ईश्वर चंद अग्रवाल ने कथा का श्रमण किया। अंत में नागरमल पिस्तादेवी मणकसिया चैरिटेबल ट्रस्ट व सुरेश ग्रुप के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल व सचिव अरविन्द अग्रवाल के परिवारजनों ने आरती की। इस मौके पर ट्रस्ट के सदस्य अनिल अग्रवाल,सुनील अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल व सहसचिव योगेश बिंदल भी मौजूद रहे। ट्रस्ट के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल व सचिव अरविन्द अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के तहत शुक्रवार को समुद्र मंथन, वामन अवतार, श्रीराम जन्मोत्सव के बाद श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। कथा प्रसंग के तहत 24 दिसम्बर को भगवान श्रीकृष्ण की बाललीला,गोवर्धन पूजा व 56 भोग की झांकी सजाई जाएगी। 25 दिसम्बर को कंस वध रासलीला,गोपी-उद्धव संवाद रूकमणि विवाह प्रसंग की कथा का वर्णन होगा। महोत्सव के अंतिम दिन 26 दिसम्बर को श्रीकृष्ण अनन्य विवाह,श्रीकृष्ण सुदामा चरित्र सहित अन्य प्रसंगों पर वर्णन होगा। कथा रोजाना दोपहर 1 बजे से साम 5 बजे तक होगी।

ट्रस्ट के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल व सचिव अरविन्द अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के तहत शुक्रवार को समुद्र मंथन, वामन अवतार, श्रीराम जन्मोत्सव के बाद श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

जैन समाज भीलवाड़ा द्वारा स्वैच्छिक अपना कारोबार बंद रखा

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जैन समाज भीलवाड़ा द्वारा श्री सम्मेद शिखर को पवित्र धार्मिक स्थल घोषित करने की मांग को लेकर आज स्वैच्छिक अपना कारोबार बंद रखा। जैन समुदाय केंद्र और झारखंड सरकार से श्री सम्मेद शिखर को पवित्र धार्मिक स्थल घोषित करने की पुरजोर से मांग कर रहा है। बुधवार को आज जिले जिले में बिगोद, मांडलगढ़, शाहपुरा, आसींद, भीलवाड़ा शहर सहित कई कस्बों में अपने -अपने कारोबार बंद रखा। जैन समुदाय के सबसे बड़े धार्मिक तीर्थ क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर को झारखंड सरकार द्वारा पर्यटन स्थान घोषित करने का विरोध देश की संसद के अंदर और बाहर गूंज रहा है।

भारत बन्द के समर्थन में सांगानेर व्यापार मंडल द्वारा धरना आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन समाज कं शाश्वत तीर्थराज जो अनादिकाल से है और रहेगा, ऐसे तीर्थ पर झारखंड सरकार द्वारा जारी अध्यादेश के विरोध में जैन समाज द्वारा आज भारत बन्द के समर्थन में सांगानेर व्यापार मंडल द्वारा आयोजित धरने पर सैकड़ों लोगों को संबोधित करते हुए रुपेन्द्र छाबड़ा सिद्धार्थ नगर ने सम्मेद शिखरजी पर पर्यटन स्थल बनाये जाने का विरोध किया और आगामी 25 दिसम्बर को प्रस्तावित मौन रैली में सम्पूर्ण जैन समाज को संगठित होकर शामिल होने का आव्हान किया, इस अवसर पर श्वेताम्बर साधु ने भी पधारकर धरने पर बैठे सभी को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

जैन समाज के प्रतिष्ठान बंद रहे

रोहित जैन.शाबाश इंडिया

नसीराबाद। सम्मेद शिखर के संरक्षण के लिए जारी विश्वव्यापी सम्मेद शिखर बचाओ आंदोलन के तहत व सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में बुधवार को नगर में जैन समाज के प्रतिष्ठान बंद रहे। दिगंबर जैन छोटा धड़ा पंचायत के अध्यक्ष ओम प्रकाश बड़जात्या व दिगम्बर जैन युवा परिषद के अध्यक्ष निहालचंद बड़जात्या ने बताया कि बुधवार को जैन समाज के निजी कर्मचारी भी अवकाश पर रहे। बड़जात्या ने बताया कि जैन धर्म के 20 तीर्थंकरों व अनन्त मुनियों के मोक्ष स्थल सम्मेद शिखर को पर्यावरण पर्यटन से बाहर किये जाने और मधुबन को मांस मदिरा बिक्री मुक्त पवित्र जैन तीर्थस्थल घोषित किए जाने व पर्वतराज के वंदना मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की गई।

डॉ. निर्मल की चित्र कृति सारिका को जूरी स्पेशल अवॉर्ड

उदयपुर. शाबाश इंडिया

हिमाचल स्टेट म्यूजियम, शिमला द्वारा प्रत्येक वर्ष आयोजित ऑल इंडिया आर्ट एक्सहिबिशन में इस वर्ष देश भर के 125 प्रतिभागी कलाकारों की 108 कृतियों में से उदयपुर के युवा चित्रकार डॉ. निर्मल यादव की चित्र कृति सारिका को विशेष ज्यूरी अवार्ड दिया गया। निर्मल ने बताया कि यह विशेष ज्यूरी अवार्ड सभी केटेगरी की कलाकृतियों में से किसी एक उत्कृष्ट कलाकृति को दिया जाता है। गौरतलब है कि निर्णायक मंडल द्वारा डॉ. यादव को यह पुरस्कार उनकी पहाड़ी शैली के प्रभाव लिए सुंदर नारी को समुद्री सीप पर जलरंग द्वारा निर्मित कृति पर घोषित किया है जिसके तहत पुरस्कार राशि के साथ प्रमाण पत्र, मोमेंटो और शॉल भेंट की गई। बता दें, हिमाचल म्यूजियम, शिमला में चयनित और पुरस्कृत चित्रों की प्रदर्शनी आगामी 1 माह तक जारी रहेगी। प्रस्तुतिः राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइलः 9829050939

जय जिनेन्द्र ग्रुप द्वारा आयोजित ''जय बाहुबली कर्नाटक तीर्थ वंदना'' 25 दिसंबर से

सीकर. शाबाश इंडिया

जैन समाज सीकर की अग्रणी संस्था जय जिनेन्द्र ग्रुप द्वारा जैन समाज की प्रेरणा से आयोजित तीर्थ यात्रा ''जय बाहुबली-कर्नाटक तीर्थ वंदना'' सीकर के जैन भवन से रविवार को प्रातः रवाना होगी। तीर्थ यात्रा के संयोजक अजय छाबड़ा व केसर रारा ने बताया कि सीकर शहर, कुकनवाली ,नावा, दाता खाचरियावास, रामगढ़,मंडा गुवाहाटी, सूरत, रानोली, पलड़ा, लालसोट, आदि 16 स्थानों के जैन समाज के लोग इस तीर्थ यात्रा में सम्मिलित होंगे। यह तीर्थयात्रा कर्नाटक के गोमटेश्वर बाहुबली के दर्शन के साथ - साथ आसपास के अन्य तीर्थ क्षेत्रों के दर्शन करवायेगी। मोनू छाबड़ा राणोली ने बताया कि जय जिनेन्द्र ग्रुप की यह तीर्थयात्रा 25 दिसंबर से प्रारंभ होगी व 5 जनवरी तक चलेगी। तीर्थ यात्रा पुण्यार्जक सरबती देवी, प्रकाशचंद, रंजू रारा बेरी, जे के जैन वीणा देवी दिल्ली, प्रेम देवी मनोज सीमा बज सीकर परिवार है। यह यात्रा जैन समाज सीकर की सबसे बड़ी तीर्थ यात्रा होगी जो कि 13 दिन की होंगी। संस्था अध्यक्ष पुनित छाबड़ा ने बताया कि ये तीर्थ यात्रा हेतु रेल, आवास, बस, भोजनशाला आदि व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग यात्रा संयोजक निर्धारित किए गए व रोहित मोदी व प्रदीप विनायक्या तीर्थ यात्रा का मुख्य संयोजक निर्धारित किया गया जिनके दिशानिर्देश में संपूर्ण यात्रा संपन्न होगी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

नए कोविड वैरिएंट के लक्षण क्या हैं?

जयपुर. शाबाश इंडिया

इस वक्त चीन में मच रहे कोहराम के पीछे ओमनी क्रोन BF.7 है। कोरोना के दूसरे वेरिएंट्स की तरह BF.7 भी उन्हीं लोगों को शिकार बनाता है जिनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है। अगर इस नए वेरिएंट की बात करें तो बदन दर्द इसका मुख्य लक्षण है ,अगर किसी को लंबे समय से शरीर में दर्द हो रहा है तो उसे को भी टेस्ट कराने की जरूरत है। इसके अलावा गले में खराश, थकान, कब्ज और बहती नाक भी इस सब वेरिएंट के लक्षण हो सकते हैं। डॉक्टर्स के अनुसार अगर लापरवाही बरती गई तो भारत में कोविड-19 की अगली लहर आने को नकारा नहीं जा सकता। 3 से 4 हफ्ते में भारत की आबादी में फैल सकता है। चीन में एक बार फिर से कोरोना वायरस ने कोहराम मचा दिया है। चीन के अस्पतालों में शवों के ढेर के वीडियो सामने आए हैं। क्या यह 2023 में एक बार फिर त्रासदी बनेगा? वायरस कभी खत्म नहीं होता करोना वायरस से लड़ने की क्षमता खुद में इंसानों को विकसित करनी पड़ेगी, इसके सिवाय कोई विकल्प है ही नही वैक्सिन जो लगाया गया है ये दवा नही है सबको समझना चाहिए ये वैक्सीन शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए दिया गया है जो अप्राकृतिक रुप से आप में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा रहा है, अब इसका गलत प्रभाव दिल के दौरे के रूप में आ रहा है बेहतर होता लोग प्राकृतिक तरीके से रोग प्रतिरोधक क्षमता अपने आप में पैदा करें। व्यायाम, योग, अच्छा भोजन, फल इत्यादि लेना अब अतिआवश्यक कदम है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

आचार्य वर्धमान सागर महाराज का गांव करिरीया मे हुआ मंगल प्रवेश

30 पिच्छीधारी राष्ट्रीय सन्त आचार्य श्री का निवाई मे भी होगा शाही ठाठबाट से आगमन

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज निवाई के तत्वावधान में वात्सल्य वारिधि राष्ट्रीय सन्त आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ का गुरुवार को गाँव करिरीया मे मंगल प्रवेश हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व राकेश संधी ने बताया कि राष्ट्रीय सन्त आचार्य वर्धमान सागर महाराज गाँव गंगवाडा.से विहार कर शिशोलाव जामडोली होते हुए गुरुवार को सांयकाल करिरीया पंहुचे जहाँ राहुल बोहरा, अमित कटारिया, पवन बोहरा, विमल सोगानी, पुनीत संधी, महेन्द्र जैन, हेमंत चंवरिया, मनोज पाटनी सहित कलकत्ता बम्बई किशनगढ़ जयपुर बौंली उदयपुर से आये श्रद्धालुओं ने आचार्य संघ की अगुवानी की। जौंला ने बताया कि आचार्य संघ का निवाई मे 24 - 25 तक मंगल पदार्पण होने की संभावना है। इस अवसर पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि साधुओं जैसा निर्ममत्व भाव यदि कहीं कोई श्रावक अपने मे जगा लेता है सुख दुख में, मित्र शत्रु मे, अनुकूलता प्रतिकूलता में, यदि उसकी समान बुद्धि बन जाती है तो वह साधुओं मे भी महासाधु है। उन्होंने कहा कि आप इच्छाओं को सीमित कर अभावों मे भी मुस्कुराते हुए जीने का प्रयास करिये फिर आप जिस शांति के लिए लालायित है, आपको मिल जाएगी क्योंकि संसार में शुभाशुभ कर्मो का चक्र निरन्तर धूमता रहता है। विमल जौंला व पवन बोहरा ने बताया कि राष्ट्रीय संत आचार्य श्री संघ सहित 24 वर्षो बाद राजस्थान में अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी मे हाल ही में हुए मस्तकाभिषेक एवं पंचकल्याणक महोत्सव के पश्चात श्री महावीर जी क्षेत्र से पद विहार करते हुए किशनगढ़ मे आयोजित पंच कल्याणक महा महोत्सव में सानिध्य प्राप्त करेंगे। जौंला ने बताया कि निवाई मे मंगल आगमन एवं पदार्पण को लेकर जोर शोर से तैयारियां की जा रही है।

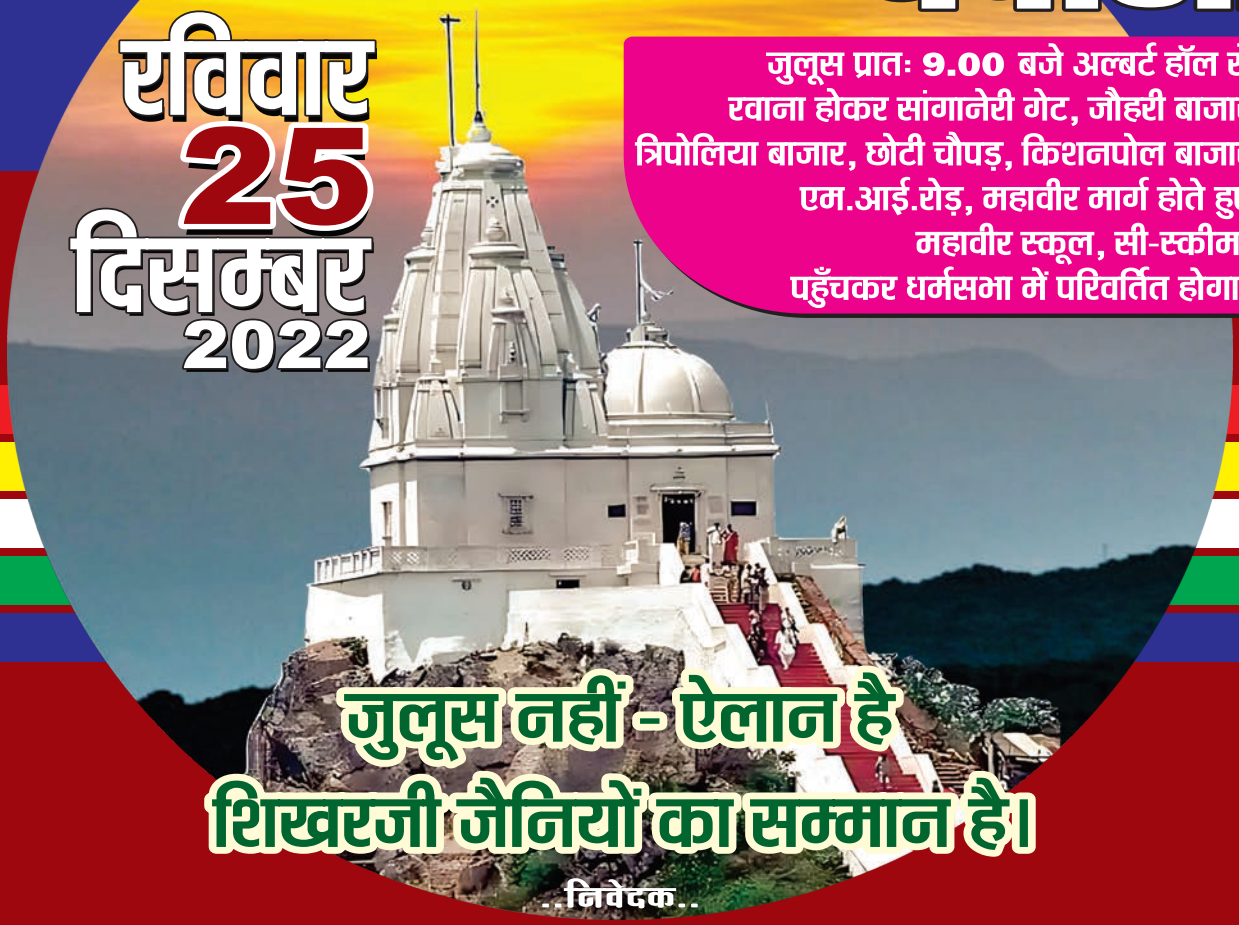

सकल जैन समाज
विशाल मौन जुलूस
शिखरजी बचाओ
रविवार
25
दिसम्बर
2022
जुलूस प्रातः 9.00 बजे अल्बर्ट हॉल से रवाना होकर सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, किशनपोल बाजार एम.आई.रोड़, महावीर मार्ग होते हुए महावीर स्कूल, सी-स्कीम, पहुँचकर धर्मसभा में परिवर्तित होगा।
जुलूस नहीं - ऐलान है
शिखरजी जैनियों का सम्मान है।
..निवेदक..
भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी
जैन श्वेताम्बर सोसाइटी
निवेदक : सकल जैन समाज, जयपुर
94140-48432 / 98290-14617 / 98291-50171 / 98290-60185
नोट : मौन जुलूस में ड्रेस कोड : महिला वर्ग- केसरियाँ साड़ी एवं पुरुष वर्ग सफेद वस्त्र
अनुरोध : सभी महिला-पुरुष मौन रैली में काली पट्टी बांध कर पक्तिबद्ध होकर शामिल होंगे.

अन्तर्मना आचार्य
श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

वे मुर्ख लोग हैं जो गुजरे हुए वक्त को खोजते हैं

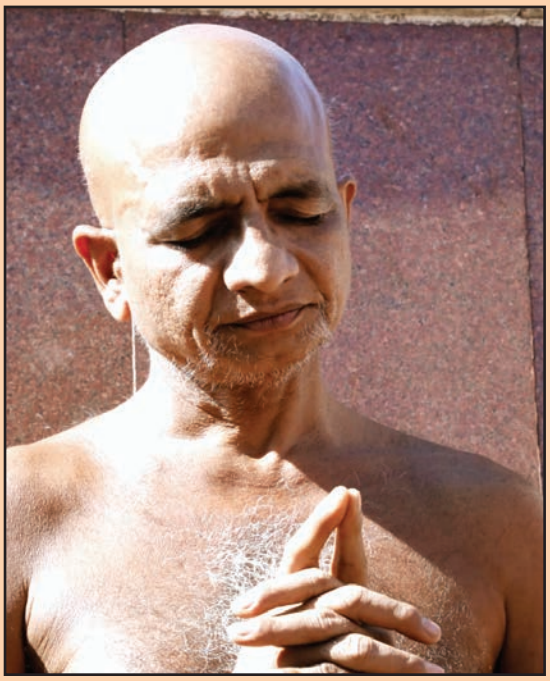

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

समय धन से ज्यादा मूल्यवान उनके लिए है जिन्होंने समय की नसीहत को जाना और समझा है। धन आज है, कल जा भी सकता है और गया हुआ धन, वापिस भी आ सकता है। लेकिन जो समय हाथ से एक बार निकल गया वह कभी लौट कर वापिस नहीं आयेगा। समय जब बीत जाता है, तब हमें उसके महत्व का एहसास होता है। जब हम वक्त को यूं ही गुजारते हैं, या टाइम पास करते हैं तब दुःख और अफसोस के अलावा हमारे पास कुछ नहीं बचता जो समय का सदुपयोग करता है वह धनवान, बुद्धिमान, और बलवान बन जाता है। जो समय का सम्मान करता है, समय उसका ज़िन्दगी भर सम्मान कराता है। इसलिए कहते हैं ना - समय बड़ा बलवान। समय के आगे किसी की नहीं चलती। समय राजा को रंक और रंक को राजा बना देता है। इसलिए कभी सफलताओं पर घमंड नहीं करना चाहिए। हर व्यक्ति के जीवन में अच्छा बुरा वक्त जरूर आता है। इसलिए अच्छे वक्त में इतराना नहीं , बुरे वक्त में घबराना नहीं। क्योंकि बुरे वक्त की एक अच्छी बात है कि वह भी गुजर जाता है ।यदि हम समय को बर्बाद करते हैं तो कल समय हमें भी बर्बाद कर सकता है। इसलिए जीवन की सफलता के लिए, समय, श्रम और सकारात्मक सोच का सम्मान करते रहना चाहिए।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ।

शिखरजी तीर्थ को पर्यटन एवं मनोरंजन का केंद्र नहीं बनने देंगे

झारखंड सरकार इस संबंध में जारी अधिसूचना वापस ले

इंदौर. शाबाश इंडिया

झारखंड सरकार द्वारा जारी समग्र जैन समाज के पवित्र महातीर्थ सम्मेद शिखर को पर्यटन केंद्र बनाए जाने की अधिसूचना के विरोध में देश विदेश की संपूर्ण जैन समाज आक्रोशित है और तीर्थ को पर्यटन केंद्र एवं इको फ्रेंडली झोन बनाए जाने की अधिसूचना वापस लेने की मांग कर रहे थे। इस मांग को लेकर आज देश के कई शहरों सहित इंदौर में भी दिगंबर एवं श्वेतांबर जैन समाज के आग्रह पर जैन समाज, वैश्य समाज एवं नगर के कई व्यवसायिक संगठनों ने अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रखें और रीगल चौराहे पर गांधी प्रतिमा के सामने कीर्ति स्तंभ परिसर पर एकत्रित होकर झारखंड सरकार द्वारा शिखर जी को पर्यटन केंद्र बनाए जाने की अधिसूचना का विरोध करते हुए अधिसूचना को अविलंब वापस लेने की सामूहिक मांग कर रहे थे। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी ने कहा कि सम्मेद शिखर जैन धर्मावलंबियों का पवित्र तीर्थ है एवं 20 तीर्थंकरों और करोड़ों मुनियों की साधना एवं मोक्ष स्थली है। वहां का कण-कण वंदनीय है, ऐसे पवित्र तीर्थ स्थल को पर्यटन केंद्र बनाने से वहां की पवित्रता नष्ट हो जाएगी और तीर्थ पर जीव हिंसा, व्यसन की गतिविधियां बढ़ जाएंगी और मांस एवं मदिरा का विक्रय एवं सेवन वहां बहुतायत से होने लगेगा जो हमें स्वीकार नहीं है अतः झारखंड सरकार तीर्थ की पवित्रता और तीर्थ के प्रति हमारी आस्था को ध्यान में रखते हुए अविलंब अपना निर्णय वापस ले अन्यथा जैन समाज कठोर कदम उठाने के लिए विवश होगी। श्वेतांबर फेडरेशन महासंघ के कांतिलाल बम ने कहा कि शिखर जी हमारी धार्मिक आस्था का केंद्र है सरकार उसे पर्यटन केंद्र बना कर वहां व्यवसाय और हमारी आस्थाओं पर कुठाराघात करना चाहती है। अतः सरकार के इस निर्णय के विरोध में समग्र दिगंबर एवं श्वेतांबर जैन समाज संगठित होकर इस निर्णय को अविलंब वापस लेने की मांग कर रही है। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के मंत्री डॉक्टर जैनेंद्र जैन ने कहा कि शिखरजी तीर्थ हमारे धर्म, समाज एवं संस्कृति की पवित्र धरोहर एवं शुद्ध धर्म साधना और आस्था का केंद्र है उसे हम किसी भी हालत में पर्यटन एवं मनोरंजन का केंद्र नहीं बनने देंगे। दिगंबर जैन समाज के युवा प्रवक्ता राजेश जैन दद्दू ने कहा कि क्या सरकार महाकाल परिसर, बद्रीनाथ, वैष्णो देवी, अजमेर शरीफ एवं अयोध्या आदि तीर्थ स्थलों को पर्यटन केंद्र बना सकती है यदि नहीं तो फिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र शिखर जी को पर्यटन केंद्र बनाने पर क्यों तुली हुई है। वरिष्ठ समाजसेवी महेंद्र जैन क्लर्क कॉलोनी, प्रदीप शास्त्री, संजीव जैन संजीवनी, राकेश विनायका, अमित कासलीवाल, दिलीप पाटनी, आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए और शिखरजी को पर्यटन केंद्र बनाने की अधिसूचना को वापस लेने की मांग की। इस अवसर पर ऋषभ पाटनी, देवेंद्र सोगानी, प्रियांशु जैन, अजय जैन मिंटा, रितेश पाटनी, अशोक खासगी वाला, सहित दिगंबर एवं श्वेतांबर जैन समाज एवं कई समाज जन, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं महिलाएं भी भारी संख्या में उपस्थित थे और अपने हाथों में निर्णय के विरोध में लिखी तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

जे एस जी अरिहंत के निर्विरोध चुनाव संपन्न

अध्यक्ष राजकुमार सोगानी, सचिव कमलेश चांदवाड़ बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप अरिहंत की वर्ष 2023-25 हेतु नव निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यो ने पदाधिकारियो का सर्वसम्मति से निर्विरोध रूप से चयन किया। अध्यक्ष तरुण जैन ने बताया की मंगलवार, दिनांक 20 दिसम्बर 2022 को सांय 9:00 बजे आयोजित मीटिंग में चुनाव अधिकारी राकेश पाटनी, संस्थापक अध्यक्ष राजीव पाटनी, पूर्व अध्यक्ष पवन पांड्या, वर्तमान अध्यक्ष तरुण जैन, वर्तमान एवम नवगठित कार्यकारिणी सदस्यो की उपस्थिति में वर्ष 2023- 25 की नवनियुक्त निम्न पदाधिकारियों एवम कार्यकारिणी सदस्यो का माल्यार्पण कर विधिवत गठन किया गया। जिसमे अध्यक्ष राजकुमार- पायल सोगानी, उपाध्यक्ष अमरचंद-उषा दीवान, सचिव कमलेश- मीनू चांदवाड़ सह सचिव श्रीमती अंजली- अरुण जैन और कोषाध्यक्ष सौरभ-ऋचा जैन नियुक्त हुए। कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती अल्पना-जितेंद्र जैन , अनिल - अनीता जैन, अनिल- धारा जैन, अशोक- अमन झांझरी, जितेंद्र - कुसुम शाह, श्रीमती पूनम - ज्ञानेंद्र चांदवड, प्रतीक- पूजा जैन, प्रवीण- पूनम झांझरी, प्रवीण-कविता गंगवाल, संजय - रीना पाटनी, विक्रम - रुचि जैन निर्वाचित घोषित किये गये । उपरोक्त सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं।